[डा० राम मनोहर लोहिया]

यह तो सेठ के सम्बन्ध में है । दूसरे, नौकरशाह के सम्बन्ध भी उन्होंने असत्य-वादन किया, क्योंकि उन्होंने कहा कि यह ड्राफ्ट आर्डर है, जब कि बाद में पता चला कि वह आर्डर था ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : कम्पलीट आर्डर ।

डा० राम मनोहर लोहिया : ड्राफ्ट आर्डर या कम्पलीट आर्डर, मतलब यह कि वह आर्डर था । यह असत्यवादन हो गया ।

मंत्री, नौकरशाह और सेठों का जो एक तिगुट्टा इस वक्त मुल्क में चल रहा है, जिसके कारण देश का पैसा, खेती और कारखाने बर्बाद हो रहे हैं, अगर वह इस मामले में साफ़ नहीं होता है, तो किस से होता है । यह विशेषाधिकार का सवाल फ़ौरन, इसी वक्त, आ जाना चाहिए । जैसा कि श्री बनर्जी ने कहा है, बहुत से मंत्री इसमें शामिल हैं, लेकिन मुझे इस वक्त यही कहना है कि ताज़ीराते-हिन्द की चोरी, डाके और झूट वगैरह की जितनी भी दफ़ात हैं न जाने हजारों आदमी उनको तोड़ते रहते हैं, पचासों मंत्री उनको तोड़ रहे हैं । अगर उन में से कोई मंत्री गिरफ्त में आ जाता है—और वह बड़ी मुश्किल से गिरफ्त में आया है—और उसके बाद आप उसको गिरफ्त से छुड़वा दें, तो यह अच्छा नहीं होगा । अगर इस प्रश्न को किसी तरह से भी दबा दिया जाता है, तो यह उचित नहीं होगा ।

अध्यक्ष महोदय : मैसेज फ्राम राज्य सभा ।

13.26 hrs.

MESSAGE FROM RAJYA SABHA

Secretary: Sir, I have to report the following message received from the Secretary of Rajya Sabha:—

"In accordance with the provisions of rule 111 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Rajya Sabha, I am directed to enclose a copy of the University Grants Commission (Amendment) Bill, 1966, which has been passed by the Rajya Sabha at its sitting held on the 2nd August, 1966".

13.26 hrs.

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION (AMENDMENT) BILL

AS PASSED BY RAJYA SABHA

Secretary: Sir, I lay on the Table of the House the University Grants Commission (Amendment) Bill, 1966, as passed by Rajya Sabha.

13.27 hrs.

RE. QUESTION OF PRIVILEGE—*contd.*

डा० राम मनोहर लोहिया : (फर्रुखाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे बातें कर रहा हूं—मैं कोई आसमान से बातें नहीं कर रहा हूं ।

अध्यक्ष महोदय : आप ने जो कुछ कहा है, वह रिकार्ड हो गया है ।

डा० राम मनोहर लोहिया : यह विशेषाधिकार का सवाल आप फ़ौरन ले लें । मंत्री महोदय ने असत्यवादन किया है, अपराध किया है ।

अध्यक्ष महोदय : मिनिस्टर साहब आज यहां नहीं हैं । वह कल आयेंगे । मैं इसको फ़ौरन कैसे ले लूं ?